Roll No. .....

Total Pages : 6

4385

M.A. (Previous) Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper – V

(कथा साहित्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड–अ [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–ब [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–स [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

इकाई–I

1. (i) 'वापसी' कहानी में उषा प्रियंवदा ने मुख्यतः किस समस्या की ओर संकेत किया है ?

(ii) 'पार्टीशन' कहानी में कहानीकार ने किसे प्रमुख वर्ण्य-विषय बनाया है?

इकाई–II

(iii) 'गोदान' की मुख्य समस्या क्या है?

(iv) 'गोदान' उपन्यास किस प्रकार का उपन्यास है और उसके प्रमुख पात्र कौन-कौन से हैं?

इकाई–III

(v) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' किस विधा के अंतर्गत आता है और क्यों?

(vi) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में लेखक ने किस मुद्दे को प्राथमिकता दी है?

इकाई–IV

(vii) 'शेखर एक जीवनी' के लेखक कौन हैं? यह जीवनी है या उपन्यास?

(viii) 'स्वामी' उपन्यास का प्रमुख केन्द्रीय पात्र कौन है और क्यों?

इकाई–V

(ix) हिन्दी की प्रारंभिक **पाँच** कहानियों के नाम लिखिए।

(x) प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास से क्या तात्पर्य है?

खण्ड-ब

इकाई–I

2. संदर्भ सहित व्याख्या करें :

लहनासिंह बारह वर्ष का है। अमृतसर में मामा के यहाँ आया हुआ है। दही वाले के यहाँ, सब्जी वाले के यहाँ, हर कहीं, उसे एक आठ वर्ष की लड़की मिल जाती है। जब वह पूछता है कि तेरी कुड़माई हो गई ? तब 'धत' कहकर वह भाग जाती है। एक दिन उसने वैसे ही पूछा तो उसने कहा ..... हाँ, कल हो गई।

3. संदर्भ सहित व्याख्या करें :

''क्या उस अतीत को भुला नहीं सकते ?'' किशोर को लगा, यह लीना ने माफी नहीं माँगी – पहली बार दीक्षित साहब के वास्तव में मर जाने की खबर दी है ..... तो सच ही ताकत आजमाता, दूसरा हाथ लीना का नहीं था ? लीना तो सिर्फ मेज का एक तख्ता थी ..... वह दूसरा हाथ 'उसका' था ..... . बेचारा! उसे पहली बार लगा – महाराणा प्रताप के टूट जाने की खबर से अकबर को कैसा लगा होगा ..... एक वीर प्रतिद्वंद्वी की पराजय पर कैसा लगता है .....

इकाई–II

4. संदर्भ सहित व्याख्या करें :

किसान पक्का स्वार्थी होता है, इसमें सन्देह नहीं। उसकी गाँठ से रिश्वत के पैसे बड़े मुश्किल से निकलते हैं, भाव-ताव में भी वह चौकस होता है, ब्याज की एक-एक पाई छुड़ाने के लिए वह महाजन की घण्टों चिरौरी करता है, जब तक विश्वास न हो जाए, वह किसी के फुसलाने में नहीं आता, लेकिन उसका सम्पूर्ण जीवन प्रकृति से स्थायी सहयोग है। वृक्षों में फल लगते हैं, उन्हें जनता खाती है, खेतों में अनाज होता है, वह संसार के काम आता है, गाय के थन में दूध होता है, वह खुद पीने नहीं जाती, दूसरे ही पीते हैं, मेघों से वर्षा होती है, उससे पृथ्वी तृप्त होती है। ऐसी संगति में कुत्सित स्वार्थ के लिए कहाँ स्थान ? होरी किसान था और किसी जलते हुए घर में हाथ सेंकना उसने सीखा ही न था।

5. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

मिनी एकदम नरेन्द्र के चेहरे को देखती रही – अपमान और ईर्ष्या में मलिन हो गया चेहरा और तभी उसके सामने घनश्याम का चेहरा घूम गया – निर्मल, निर्विकार। मन में कहीं मामा के

शब्द तैर गए ..... निभा घनश्याम ही सकेगा। उसने बड़ी दृढ़ता से कहा – नरेन जिस व्यक्ति ने इस सबको सहकर भी अपने को अपमानित महसूस किया, वह इस बात को कहने वाले को कभी अपमानित नहीं करेगा। ..... सामने बैठी मिनी की निष्ठा के सामने उसकी ईर्ष्या, आवेश, क्रोध सब कुछ धीरे-धीरे बह गया। रह गया तो केवल सब कुछ हार जाने का विषाद।

इकाई–III

6. 'कफन' कहानी का प्रतिपाद्य लिखें।

7. ''होरी भारतीय कृषकों का प्रतिनिधि चरित्र है।'' समीक्षा कीजिए।

इकाई–IV

8. ''बाणभट्ट की आत्मकथा'' की समीक्षा करें।

9. 'स्वामी' उपन्यास के देशकाल एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालें।

इकाई–V

10. समकालीन उपन्यास के परिदृश्य को उद्घाटित कीजिए।

11. कहानी के विविध आंदोलनों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-स

इकाई–I

12. 'वापसी' कहानी की समीक्षा समसामयिक संदर्भ में करें।

इकाई–II

13. गोदान भारतीय जीवन का महाकाव्य है। समीक्षा कीजिए।

इकाई–III

14. ''बाणभट्ट की आत्मकथा'' को समसामयिक संदर्भ में विश्लेषित कीजिए।

इकाई–IV

15. शेखर के जीवन के द्वन्द्व को कथ्य के आधार पर विवेचित करें।

इकाई–V

16. हिन्दी उपन्यास **अथवा** कहानी के इतिहास का निरूपण कीजिए।